हृदय और धड़कन

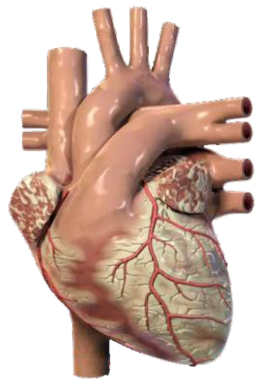

वर्ष-9, अंक-99, मार्च 20, 2018

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. सत्य गुप्ता +91-99250 45780
डॉ. विनीत सांख्ला +91-99250 15056
डॉ. विपुल कपूर +91-98240 99848
डॉ. तेजस वी. पटेल +91-89403 05130
डॉ. गुणवंत पटेल +91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख +91-98250 66664
डॉ. मिलन चग +91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह +91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी +91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा +91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक +91-98250 82666

कार्डियक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह +91-98255 75933
डॉ. धवल नायक +91-90991 11133
डॉ. अमित चंदन +91-96990 84097

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह +91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी +91-99240 84700

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. चिंतन शेठ +91-91732 04454
डॉ. निरेन भावसार +91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया +91-95863 75818

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ +91-99246 12288
डॉ.दिव्येश सादडीवाला +91-82383 39980
डॉ. मिलन चग +91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया +91-90999 87400
डॉ. स्नेहल पटेल +91-99981 49794

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक +91-98250 82666
डॉ. विनीत सांख्ला +91-99250 15056

अद्रश्य कातिल नं.२- : डायबिटीज़ मेलाइटिस

यह एक रासायणिक प्रक्रिया से सम्बन्धित रोग है । जिसमें रोगी के कोष ग्लुकोज़ (शक्कर, गुड़ अथवा अन्य मीठे पदार्थ) का उचित उपयोग नही कर सकते है ।

शरीर में ग्लुकोज़ का उचित उपयोग करके उसमें से उर्जा प्राप्ति के लिए इन्स्युलिन नामक तत्त्व आवश्यक होता है । जब डायबिटीज़ मेलाइटिस हो तब-

- शरीर में इन्स्युलिन की कमी अथवा अभाव होता है ।
- शरीर के कोषों पर इन्स्युलिन का असर कम होता है ।

भुखे पेट लोहीमें ग्लुकोझका प्रमाण	१००	से कम	अच्छा
	१०१ -	१२५	ग्लुकोझ को काबुमें लेने की शक्ति कम होती है
	१२६	से ज्यादा	डायबिटीज़ मेलाइटस
दो घंटे के बाद (७५ ग्राम ग्लुकोझका ख्रोराक लेकर)	१४०	से कम	अच्छा
	१४० -	२००	ग्लुकोझ को काबुमें लेने की शक्ति कम होती है
	२००	से ज्यादा	डायबिटीज़ मेलाइटस

डायबिटीज़ किसे कहते है ?

डायबिटीज़ वाले रोगी पर दिल का दौरा अचानक व किसी भी दर्द के अनुभव किये बिना भी पड सकता है । इसके अलावा डायबिटीज़ से शरीर को इस हद तक नुकसान पहुंच सकता है कि इसे हृदयरोग के लिए एक अत्यन्त ख़तरनाक कारण बताया जाता है । डायबिटीज़ के समस्त रोगियों को उनके शरीर में किसी भी असाधारण लक्षण की जांच के लिए एक बार हृदय का कार्डियोग्राम और ईको-कार्डियोग्राम करवा लेना चाहिए ।

डायबिटीज़ किसे होता है ?

डायबिटीज़ मेलाइटिस किसको हो सकती है ?

अनेक संशोधनों के पश्चात भी ये बात स्पष्ट नहीं हो पाई है कि कुछ लोगों को डायबिटीज़ होती है और कुछ को नहीं । परन्तु यह स्पष्ट है कि यह रोग निम्न लक्षणों वाले लोगों में देखने को मिलता है ।

- जिनके नजदीकी रिश्तेदारों को डायबिटीज़ हो (hereditary) ।
- जिनका वजन अधिक हो ।
- जिनको कामकाज में कोई शारीरिक श्रम न करना पड़ता हो (sedentary) ।
- जिनकी जिन्दी तनावपूर्ण हो ।

उपरोक्त लक्षणों वाले व्यक्तिओं को डायबिटीज़ की संभावना अधिक रहती है ।

डायबिटीज़ किस प्रकार मारती है ?

डायबिटीज़ व उच्च रक्तचाप (High blood pressure) शरीर के महत्त्वपूर्ण अंग जैसे मस्तिष्क, हृदय, आँख और गुर्दे इत्यादि को धीरे-धीरे किन्तु अत्यधिक नुकसान पहुंचाती है, इसे महत्वपूर्ण तथा अंतिम अंगो की चोट (End Organ Damage) कहा जाता है ।

आपको स्वयं को हुए नुकसान का पता ही नहीं चलता ?

अधिकतर लोगों को महत्वपूर्ण तथा अंतिम अवयवों को नुकसान होने के बाद ही पता चलता है कि उनके अंगो को नुकसान पहुंचा है और इसका कारण उपरोक्त दोनों कातिल बीमारियों में से कोई एक अथवा दोनों हो सकती है । इन परिस्थितियों में डायबिटीज़ व उच्च रक्तचाप का इलाज तो होना ही चाहिए, परन्तु इसकी जांच तथा इलाज अगर पहले ही हो गए होते तो महत्वपूर्ण तथा अंतिम अवयवों को नुकसान नहीं होता ।

महत्वपूर्ण तथा अंतिम अवयवों को नुकसान ना हो इसलिये भी डायबिटीज़ व उच्च रक्तचाप का निदान व इलाज जल्दी से जल्दी होना चाहिए ।

> वृध्ध होने के बाद भी हंसना बंद मत कीजिए, क्योंकि अगर हंसना बंद किया तो वृद्धावस्था वास्तव में आ जाएगी ।

यह दोनो शैतान हाथ में हाथ डालकर एक साथ रोगी पर हमला करते हैं और उसका जीवन कम कर देते हैं । डायबिटीज़ समस्त अंगो पर असर करती है, परन्तु यह हृदय पर ख़तरनाक रुप से ऐसा विपरीत असर करती है कि समस्त विश्व के हृदयरोग विशेषज्ञ डायबिटीज़ को हृदयरोग का एक अत्यंत ख़तरनाक कारण मानते है ।

डायबिटीज़ के रोगियों में हृदय रोग के लक्षण

डायबिटीज़ के रोगियों को एक अतिरिक्त समस्या का सामना करना पड़ता है, जिसमें सायलेन्ट एन्जायना अथवा हृदयरोग का हमला कुछ लक्षणों के साथ अथवा बिना किसी लक्षण के होता है । रोगी व उसके रिश्तेदारों को भी पता नहीं चलता है कि छाती में दर्द के लक्षण भले ही सामान्य हों परन्तु दिल का दौरा बड़ा और जानलेवा हो सकता है । इसलिए डायबिटीज़ के रोगियों की छाती में सामान्य दर्द की भी सम्पूर्ण जांच करवानी जरुरी है तथा वर्ष में एक बार हृदय की सामान्य जांच (जैसे इ.सी.जी., इको कार्डियोग्राम इत्यादि) करवानी जरुरी है ।

> एक व्यापारी को उसके बायपास के ऑपरेशन का एनेस्थेशिया का बिल बहुत अधिक लगा इसलिए वह एनस्थेटिस्ट से मिलने गया । 'डॉक्टर सिर्फ शीशी सुंघाने के २०,००० रुपये होते होंगे ?'
> ऐसा है कि, एनेस्थेशिया के डॉक्टर ने उसे समझाया, 'हमारे पेकेज के दो भाग होते है, शीशी सुंघाकर बेहोश करने के ९,००० रुपये और बेहोशी में से वापस होश में लाने के ११००० रुपये । आपने पहले कहा होता तो मैने आपको ख़ाली बेहोश किया होता, वैसे सब रोगी पूरा पेकेज लेना पसंद करते है ।'

निदान

डायबिटीज़ का निदान रक्त की शर्करा के प्रमाण की जांच से किया जाता है । रक्त में शर्करा का प्रमाण दो या अधिक बार ज्यादा आए तो डायबिटीज़ का इलाज शुरु कर देना चाहिए ।

इलाज

यदि आपका वजन अधिक है तो उसको कम करें, भोजन में मीठी चीजों (शक्कर, मिठाई) का सेवन कम करें, शारीरिक व्यायाम करें पैदल घुमना शुरु करें ।

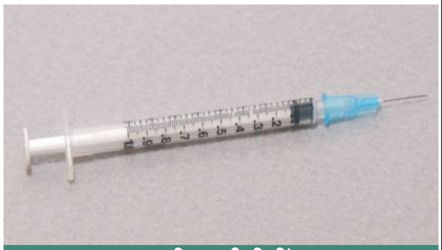
इन्स्युलिन की सिरिंज

डायबिटीज़ के इलाज का प्रथम लक्ष्य रक्त में शर्करा की मात्रा को निर्धारित सीमा तक लाना है । धऊशऱआ लक्ष्य महत्वपूर्ण अवयवों को डायबिटीज़ से होने वाली क्षति से बचाना है । महत्वपूर्ण अवयव जैसे-हृदय गुर्दे (त्त्डुदह्नन्ध्र), आँखे, स्नायु, इत्यादि को कोई क्षति होने से बचाना है । सबसे पहले रक्त में शर्करा को निर्धारित सीमा में रखना, इन्स्युलिन के इन्जेकशन व परहेज के इलाज के साथ महत्वपूर्ण अंगो को क्षति से बचाने के लिए दवाओं का उपयोग भी जरुरी है ।

मैं स्वयं की देखभाल किस प्रकार कर सकता हूं ?

डॉक्टर द्वारा बताए गए इलाज को योजनाबद्ध तरीके से अनुसरण करें, इसके अलावा,

■ भोजन में चरबी, कोलेस्ट्रोल की मात्रा कम करें ।

■ तनाव दूर करने के लिए प्राणायम, तथा शवासन सीखें, और करे ।

■ आपके डॉक्टर की सलाह के अनुसार नियमित कसरत करें ।

नियमित रुप से शर्करा (sugar) की जांच करवाते रहे । भूखे पेट की स्थिति में रक्त में शर्करा की मात्रा ११० मि. ग्रा. से कम तथा भोजन के दो घंटे के बाद रक्त में शर्करा की मात्रा १४० मि. ग्रा. से कम रखनी जरुरी है ।

सौजन्य 'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख

कोरोनरी आर्टरी डीजीज

Courtesy : CardioSmart American College of Cardiology

24 x 7
जब इमरजन्सी हो, तब सीम्स
इमरजन्सी : +91 -97234 50000 | एम्ब्युलन्स : +91-98244 50000
मेडीकल हेल्पलाईन : +91-70 69 00 00 00

CIMSRE
Care Institute Medical Society for Research and Education

सीम्स लर्निंग सेन्टर

सीम्स अस्पताल की शिक्षा के क्षेत्र में एक पहल

Skills Development Centre

Sharing Knowledge Saving Lives

पेरा मेडिकल ट्रेनिंग - उत्कृष्ट विधार्थीयो के लिए

* सहयोगी संस्था : गुजरात सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं गुजरात युनिवर्सिटी से जुडी अहमदाबाद इन्स्टीट्युट ऑफ मेडिकल सायन्स के साथ एवं सहयोग से

पात्रता : न्युन्तम 10 + 2 (सायन्स)

कोर्स के नाम	कोर्स की समय मर्यादा
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन ईसीजी एंव टीएमटी टेक्नोलोजी	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन ईको टेक्नोलोजी	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन मेडीकल लेबोरेटरी टेक्नोलोजी (एमएलटी)	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन मेडीकल / फिजीशीयन आसीसटन्ट	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन पल्मोनरी फंकशन टेस्ट (पीएफटी) टेक्नोलोजी	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन ओप्टामीटरी	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन ओपरेशन थीयेटर (ओ.टी) टेक्नोलोजी	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन रेडीयोलोजी एवं ईमेजींग टेक्नोलोजी	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन रेस्पीरेटरी एवं स्लीप मेडीसीन टेक्नोलोजी	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप

पात्रता : न्युन्तम 10 + 2 (सायन्स /कोर्मस)

कोर्स के नाम	कोर्स की समय मर्यादा
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन हॉस्पिटल बिलींग (ईनश्योरेंस के साथ)	6 महिने + 6 महिने की इन्टर्नशीप
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन मेडीकल ट्रांसक्रिप्शनिस्ट	6 महिने + 3 महिने की इन्टर्नशीप
सेन्ट्रल स्टराइल सप्लाई डिपार्टमेन्ट टेकनिशियन सर्टिफिकेट कोर्स	6 महिने + 3 महिने की इन्टर्नशीप
मेडीकल रेकोडर्स मेनेजमेन्ट सर्टिफीकेट कोस	6 महिने + 3 महिने की इन्टर्नशीप
हेल्थकेर वोर्ड मेनेजमेन्ट सर्टिफीकेट कोर्स	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप

पात्रता : बी.एस.सी और नर्सिगमे स्नातक

कोर्स के नाम	कोर्स की समय मर्यादा
डिप्लोमा ईन इन्फेकशन प्रिवेन्शन एवं नर्स कोर्स	3 महिने + 6 महिने की इन्टर्नशीप
कार्डियाक केथेटराईजेशन लेबोरेटरी नर्स सर्टिफिकेट कोर्स	6 महिने + 6 महिने की इन्टर्नशीप
कार्डियोथोरेसिक ओपरेशन थीयेटर नर्स सर्टिफिकेट कोर्स	6 महिने + 6 महिने की इन्टर्नशीप
जनरल ओपरेशन थीयेटर नर्स सर्टिफिकेट कोर्स	6 महिने + 6 महिने की इन्टर्नशीप
कार्डियोथोरासीक आई.सी.यु. नर्स सर्टिफिकेट कोर्स	6 महिने + 6 महिने की इन्टर्नशीप
मेडीकल एन्ड हेमोटो ओन्कोलोजी नर्स सर्टिफिकेट कोर्स	6 महिने + 6 महिने की इन्टर्नशीप
ओबस्टेस्ट्रीक एन्ड गायनेकोलोजी केर नर्स सर्टिफिकेट कोर्स	6 महिने + 6 महिने की इन्टर्नशीप
नियोनेटल नर्स सर्टिफिकेट कोर्स	6 महिने + 6 महिने की इन्टर्नशीप
सर्टिफाइड एनेस्थेसिया नर्स कोर्स	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप
*सर्टिफिकेट कोर्स ईन डायालिसिस टेकनोलोजी	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप

पात्रता : न्युन्तम सायन्स गेज्युएट स्नातक

कोर्स के नाम	कोर्स की समय मर्यादा
*पोस्ट गेज्युएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन केथ लेब टेकनोलोजी	1 साल + 6 महिने की इन्टर्नशीप
*पोस्ट गेज्युएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन हॉस्पिटल एन्ड हेल्थ केर मेनेजमेन्ट	1 साल (वीकेंड लेक्चर - शनि और रवि)

आवेदन करने की अंतिम तारीख	कोर्स प्रारंभ	स्थल
जुलाई 14, 2018	अगस्त 01, 2018	सीम्स अस्पताल, अहमदाबाद

अधिक जानकारी के लिए संपक करें : 079 3010 2352 / +91 9427148420

Email: clc@cimshospital.org Website: www.cims.org/clc

CIMS HOSPITAL

सीम्स ग्रेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी

राज्यमें सब से पहला जी.आइ. फिझीयोलोजी लेब सीम्स होस्पिटलमें

पेटकी बिमारी बढ रही है। किसी भी बिमारी की सही प्रकृति जानने के लिए बिमारीकी शरीरक्रिया विज्ञान (फिझीयोलोजी) को जान ना जरुरी है।
बिमारीकी शरीरक्रिया जानने से डॉक्टर आपकी देखभाल ज्यादा अच्छे से कर सकते है।
सीम्स होस्पिटलमें शरीरक्रिया विज्ञान के लिए अद्यतन टेकनोलोजी उपलब्ध है।
सीम्स होस्पिटल अहमदाबाद नई टेकनोलोजीमें सब से आगे है।
पेटमें गेस, एसडिटी, छातीमे जलन, कबजियात, संडासकी असंयमता की बिमारी वाले दर्दीओ को लाभ हो सकता है।

अन्ननलीकी मेनोमेट्री

- एसिडिटी
- छातीमे जलन
- खटे डकार
- एसिडिटी की सर्जरी पहेले
- खाना गलेमें अटकना
- छातीमें दर्दी होना (हदयरोग को छोड के)

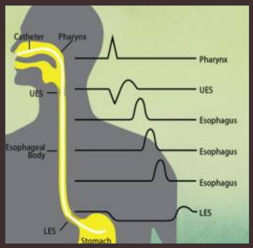

एनोरेकटल मेनोमेट्री

- कबजियात
- अपूर्ण परित्याग
- संडासमें असंयमता
- स्टोमा बंद करने से पहेले
- बच्चो में कबजियात

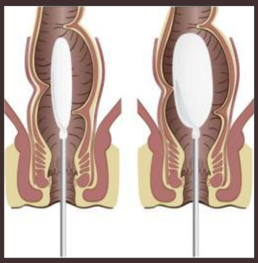

बडे आंत की गतीशीलताकी जाँच

- सब प्रकारकी कबजियात

जठर के विस्तार शीलता की जाँच

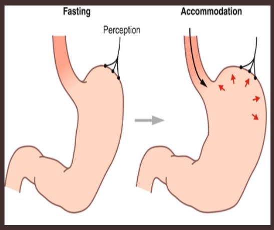

- पेटका फुलना
- पेटमें गेस की समस्या

२४ धंटे तक अन्ननलीका pH रेकोडिग

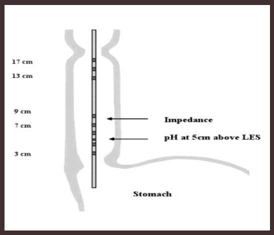

- एसिडिटी और छातीमे होने वाली जलन जिसमें दवाकी असर न हो।
- एसिडिटीकी सर्जरी पहेले
- एसिडिटी से दुसरे अंगो में होने वाली पीडा

CIMS

आईसोलेशन युनिट

गुजरात, मध्यप्रदेश और राजस्थान जैसे सब राज्यों में सर्व प्रथम आईसोलेशन युनिट

नेगेटिव प्रेशर रुम 9 बेड्स + पोजेटिव प्रेशर रुम 3 बेड्स = कुल 12 बेड्स

निम्न प्रकार के मरीजों को आईसोलेशन युनिट / रुम की आवश्यकता होती है ।

1. चेपी बिमारी वाले मरीजों के लिए (स्वाईन फ्लू, चिकन पॉक्स आदि)
2. गंभीर रुप से संक्रामित मरीज
3. महामारी / प्रकोप परिस्थितियॉ
4. अल्पविकसित रोग प्रतिकारक शक्ति वाले मरीज (न्यूट्रोपेनीक/ ट्रान्सप्लान्ट)
5. गंभीर ईन्फेकशन्स से पीडित बालक एवं नवजात शिशु
6. पल्मोनरी टीबी / एमडीआर / एक्सडीआरटीबी

उस प्रकारमें से एक

पल्मोनोलोजी

डॉ. अमित पटेल
मो. +91-9824310150

डॉ. नितेष शाह
मो. +91-9825027487

डॉ. कल्पेश पंचाल
मो. +91 9712199914

क्रिटीकल केर

डॉ. भाग्येश शाह
मो.+91-9099068938

डॉ. विपुल ठक्कर
मो. +91-9099068935

डॉ. अमित प्रजापति
मो. +91-9725589488

ईन्फेकशन डिझीज

डॉ. सुरभी मदान
मो. +91-9712971863

नियोनेटोलोजी और पीडियाट्रीक ईन्टेन्शीव केर

डॉ. अमित चितलीया
मो. +91-9099987400

डॉ. स्नेहल पटेल
मो. +91-9998149794

डॉ. विक्रमजीतसिंह कन्वर
मो. +91-7573003888

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00

CIMS

सीम्स अस्पताल के विशेषज्ञ अब राजस्थान में

डॉ. सत्य गुप्ता
MD, DM FESC
हृदय रोग के विशेषज्ञ
मो. 099250 45780
ई-मेल: satya.gupta@cims.me

डॉ. सत्य गुप्ता निम्नलिखित स्थानो पर महिनेमें एक बार परामर्श करते है				
दिन	स्थान	समय	हॉस्पिटल	फोन नं
तिसरा शनिवार	जोधपुर	सुबह 9 से 12	यश अमन हॉस्पिटल	02912-570034
	पाली	दोपहर 3 से 7	ओम हॉस्पिटल	02932-221200
तिसरा रविवार	सुमेरपुर	सुबह 8 से 11	सप्तगिरी हॉस्पिटल	02933-258633
	सिरोही	दोपहर 1 से 2	अंकिता नर्सिंग होम	02972-221622
	आबु रोड	दोपहर 4 से 5	डॉ. एच. के. गोयल	02974-222037
चौथा रविवार	भीनमाल	सुबह 8 से 11	भास्कर हॉस्पिटल	02969-223204
	सांचोर	दोपहर 1 से 3	मनमोहन हॉस्पिटल	02979-283777

डॉ. दर्शन भणसाली
MS, MCh केन्सर सर्जरी
(गोल्ड मेडालीस्ट)
मो. 098250 96763
darshan.bhansali@cimshospital.org

डॉ. सागर बेटाई
MD, DM Neurology (SGPGI Lucknow)
कन्सलटन्ट न्यूरोलोजीस्ट
मो. +91 9904403142
sagar.betai@cimshospital.org

डॉ. रचीत शेठ
DNB (Ortho), MNAMS, FIJR (ISHKS)
ओर्थोपेडीक एवं जोयन्ट रिप्लेशमेन्ट सर्जन
मो. +91-9974557757
rachit.sheth@cimshospital.org

डॉ. अभिनव जैन
MD, DM,
ग्रेस्ट्रोएन्ट्रोलोजीस्ट,
हेपाटोलोजीस्ट & एन्डोस्कोपीस्ट
मो. +91 76663 73288
abhinav.jain@cimshospital.org

स्थल : शुभम होस्पिटल, बी-59, कमला नेहरु नगर, जोधपुर, राजस्थान - 342008
हर महिने के पहले शुक्रवार को समय 10 से 4 बजे तक

डॉ. प्रणव शाह
MS (Ortho), DNB (Ortho), MNAMS
ओर्थोपेडीक, ट्रोमा और हिप सर्जन
मो. +91-99798 95596
shah.pranav@cimshospital.org

राजदादीसा होस्पिटल
चंदशाह टकीया रोड,
सोजादी गेट नी अंदर,
धोरोन का चोक, जोधपुर, राजस्थान
अपोईन्टमेन्ट के लिये 7069379952

डॉ. देवेन एस. जवेरी
एम.एस. (सर्जरी), एम.सी.एच. (न्यूरोसर्जरी),
न्यूरोसर्जन
दिमाग, मेरुरज्जु और रीढ्ढ की हड्डी के विशेषज्ञ
मो. +91-98242 80706
deven.zaveri@cimshospital.org

डॉ. ए.आर. महेता,
ए-255, शास्त्रीनगर, पी एन्ड टी
चौराहा के पास, गुरु फिझीयोथेरापी
एन्ड रीहेबीलेशन सेन्टर,
गेट नं. 4, शनि धाम रोड, जोधपुर
अपोईन्टमेन्ट के लिए
मो. 9314712028 / 9509557307

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2016-2018 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2018
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/084/2018-20 valid upto 31st December, 2018

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,
Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.
Ph. : +91-79-2771 2771-72
Fax: +91-79-2771 2770
Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

सीम्स होस्पिटल में अद्यतन टेकनोलोजी

न्यूरो - आईसीयु और स्ट्रोक युनिट

गुजरातमें प्रथम डिजीटल आईसीयु

ओपरेशन थियेटर कोम्पलेक्ष

गुजरातमें प्रथम डिजीटल ओटी

कार्ल जीउस पेन्टरो 900 माईक्रोस्कोप

गुजरातमें सब से प्रथम

ईलेकता वर्षा एचडी लाईनर एसीसीटर

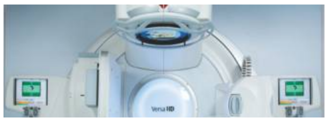

रेडियेशन थेरापीके लिए
एशिया मे प्रथम

एमआरआई सिग्ना एक्सप्लोरर

भारतमें सब से प्रथम

2 सीटी स्केन

16 स्लाईस और 128 स्लाईस सीटी स्केन
भारतमें सब से प्रथम

CIMS KHAMBATTA LINAC CENTRE

AREEZ KHAMBATTA BENEVOLENT TRUST

सीम्स ख्रंमभाता लाईनेक (रेडीयोथेरापी) सेन्टर
*जिसको जरुर हो वैसे केन्सर के मरीजो के लिए रेडियोथेरापी कम दाम में

पश्चिम भारतमें केवल एक निजी होस्पिटल के साथ ३ फुली डिझीटलाईझ केथलेब, एडवान्स ३२ चेनल डिजीटल, ईलेक्ट्रोईन्सेफलोग्राफी मशीन(पोर्टेबिलिटी और वीडियो रिकॅाडिग सुविधा के साथ), ४ चेनल ईलेक्ट्रोमायोग्राफ्स नस संवाहन अभ्यास, (ईएमजी-एनसीएस) मशीन, अद्यतन अम्ब्युलन्स

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।

JCI (USA) NABH NABH ER Ethics Committee NABL ACC GreenOT